# 02 / 02 / 75 की अव्यक्त वाणी

## पर आधारित योग अनुभूति

### प्रत्यक्षता की पूर्वगामिनी और पर्सनेलिटी की जननी - पवित्रता का अनुभव

➢➢ मैं परम पवित्र आत्मा हूँ...

➳_ ➳ पवित्रता के सागर शिव बाबा मुझे अपनी पवित्र किरणों से सम्पूर्ण पावन बना रहे हैं...

→ मुझ आत्मा में पवित्रता के आदि अनादी संस्कार जागृत हो रहे हैं..

→ यह पवित्रता ही रोयल्टी है...

→ पवित्रता ही पर्सनैल्टी है...

- मैं आत्मा स्वयम की गहराई से चेकिंग कर रही हूँ...
- कि मैंने स्वयम में कितनी पवित्रता धारण की है...
- मेरे संकल्प बोल और कर्म में पवित्रता की कितनी परसेंट है...
- एक एक बात में स्वयम को चेक कर रही हूँ...

---

➢➢ पवित्रता की परख और पहचान मुझ आत्मा की रोयल्टी और पर्सनेलिटी से हो रही है...

➳_ ➳ मैं सम्पूर्ण पावन आत्मा, रॉयल आत्मा हूँ...

→ मुझ आत्मा को हद की विनाशी वास्तु और व्यक्ति में तनिक भी आकर्षण नहीं हो रहा...

- मेरे नयनों में सम्पन्नता का नशा है...
- मेरे बोल मधुर और अनमोल हो रहे हैं...
- मैं रूहानी रॉयल्टी से संपन्न आत्मा हूँ...
- किसी के अवगुण या कमजोरी की तरफ मेरी आँख भी नहीं जा सकती...

▶ गिरावट में लाने वाली किसी भी चीज की मैं संकल्प में भी धारणा नहीं कर सकती....

➳_ ➳ मैं ब्राह्मण आत्मा हूँ...

→ पुराने स्वभाव संस्कार शुद्र पने के हैं.. जिन्हें मैं संकल्प में भी टच नहीं कर सकती....

➳_ ➳ मैं रूहानी रॉयल्टी वाली आत्मा हूँ...

→ मेरे हर बोल महावाक्य हैं...

→ जिन्हें सुन कर आत्माएं गोल्डन एज की अधिकारी बनती जा रही हैं...

→ मेरा एक एक बोल रत्न के समान कीमती है...

→ साधारण और व्यर्थ नहीं है...

→ हर बोल समर्थ और स्नेह से भरा है...

■ मेरे सम्पर्क में आने वाली हर आत्मा को शांति और शीतलता की अनुभूति हो रही है...

■ उन्हें मेरे फ़रिश्ते स्वरुप का अनुभव हो रहा है...

▶ मुझ पारस आत्मा के संग से सभी आत्माएं पारस समान बनती जा रही है...

▶ रूहानी नजर से निहाल हो रही हैं...

➳_ ➳ मेरी रूहानी रोयाल्टी चेहरे से स्पष्ट दिखाई दे रही है...

→ मेरे मस्तक से शुद्ध आत्मा का सभी को अनुभव हो रहा है..

→ नयनो से भाई भाई की वृत्ति का अनुभव हो रहा है...

■ ऐसी रूहानी रॉयल्टी और पर्सनैलिटी स्वयम में अनुभव कर रही हूँ...

■ बाप को प्रत्यक्ष करने के निमित्त बन रही हूँ...

■ मैं आत्मा सर्व की स्नेही और सहयोगी आत्मा बन रही हूँ...